हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, मंगलवार 13 जनवरी 2026

तापमान
अधिकतम 20.5 डिग्री
न्यूनतम -1.5 डिग्री

12 नशा व्यक्ति के शरीर, परिवार व समाज तीनों का सबसे बड़ा शत्रु

12 ठंड ने तोड़ा दस साल का रिकॉर्ड, पारा जमाव बिंदु से 1.5 डिग्री नीचे, फसलों पर जमने लगी बर्फ

खबर संक्षेप

दहेज प्रताड़ना मामले में एक आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। पुलिस ने दहेज उत्पीड़न व जान से मारने की धमकी देने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। विवाहिता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने दोनों पक्षों के बीच काउंसलिंग के जरिए समझौता कराने के प्रयास किए थे। कई बार पुलिस थाने में दोनों पक्षों के बीच बातचीत हुई, लेकिन उनमें सुलहनामा नहीं हुआ। इसके बाद पुलिस ने गत वर्ष 13 सितंबर को ससुराल पक्ष के लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया था। इस मामले में पुलिस ने गुरूग्राम के ताजपुर निवासी अशोक्र को गिरफ्तार किया है। बाद में आरोपी को पुलिस बेल पर छोड़ दिया गया।

फरार चल रहा पीओ किया गिरफ्तार

रेवाड़ी। थाना रामपुरा पुलिस ने एक पीओ को गिरफ्तार करने के बाद जेल भेज दिया। महेंद्रगढ़ के मोहलड़ा निवासी हितेश कुमार को कोर्ट ने दहेज के मामले में पीओ घोषित किया था। कोर्ट ने रामपुरा थाना पुलिस को उसके खिलाफ केस दर्ज करने के आदेश दिए थे। पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर आरोपी के खिलाफ 6 जनवरी को केस दर्ज किया था। इसके बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। उसे कोर्ट में पेश किया गया, जहां से न्यायिक हिरासत के तहत जेल भेजने के आदेश दिए गए।

सड़क हादसे का आरोपी वाहन चालक गिरफ्तार

कोसली। पुलिस ने सड़क हादसों के बाद फरार एक वाहन चालक को गिरफ्तार किया है। खोल थाना पुलिस ने सड़क हादसे के बाद 6 जनवरी को केस दर्ज किया था। हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। वाहन चालक मौके से फरार होने में कामयाब हो गया था। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद आरोपी की तलाश शुरू की थी। जांच के बाद पुलिस ने इस मामले में महेंद्रगढ़ के पाथेड़ा निवासी धीरज को गिरफ्तार कर लिया। उसका वाहन भी कब्जे में लिया गया है। बाद में आरोपी को पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

अवैध शराब के साथ दो आरोपी पकड़े

रेवाड़ी। पुलिस ने अवैध शराब के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि शांति नगर में रह रहा मूल रूप से बिहार के समस्तीपुर निवासी विजयपाल अवैध रूप से शराब की बिक्री करता है। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने आरोपी को मौके पर जाकर काबू कर लिया। कब्जे से 52 पव्वे अवैध शराब बरामद हुई। आरोपी के खिलाफ एक्साइज एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया गया। पुलिस अवैध रूप से शराब की बिक्री करने वाले लोगों के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रही है।

मारपीट व धमकी देने के मामले में एक गिरफ्तार

रेवाड़ी। पुलिस ने मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अस्पताल में उपचाराधीन घायल के बयान पर गत वर्ष 16 दिसंबर को आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। इसके बाद कुछ आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया था। इस मामले में पुलिस ने आदर्श नगर निवासी मनोज को गिरफ्तार किया है। मामले की तफ्तीश में शामिल करने के बाद आरोपी को पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

टीसी के आदेशों के बाद सक्रिय हुआ प्राधिकरण, वाहन इंपाउंड होते ही कर रहे जुर्माने का भुगतान

दस करोड़ पर वाहन मालिकों की कुंडली, वसूली के लिए कसा शिकंजा, वाहन जब्त करने की प्रक्रिया तेज

यातायात नियमों के अनुसार वाहनों पर जुर्माना करते हुए चालान की राशि निर्धारित की जाती है

नरेन्द्र वत्स ▶▶| रेवाड़ी

ट्रैफिक नियमों की पालना नहीं करने वाले वाहनों पर आरटीए की ओर से चालान की कार्रवाई की जाती है। इसके बाद वाहन मालिक चालान के हिसाब से हुए जुर्माने का भुगतन करने की बजाय उसे ठंडे बस्ते में डाल देते हैं। ऐसे वाहन मालिकों पर जुर्माना राशि के रूप में लगभग 10 करोड़ रुपये की राशि बकाया है। ट्रांसपोर्ट कमिश्नर की ओर से चालान राशि की वसूली के लिए गत दिनों जिला परिवहन प्राधिकरण के अधिकारियों को सख्त आदेश दिए थे। प्राधिकरण ने ऐसे वाहनों को इंपाउंड करने की प्रक्रिया तेज कर दी है। प्राधिकरण के अधिकारी हर दिन चार से पांच वाहन जब्त कर रहे हैं, जिसके बाद मालिक तुरंत जुर्माना राशि का भुगतान करने को बाध्य हो रहे हैं। भारी वाहनों के खिलाफ कार्रवाई का अधिकार आरटीए सचिव व उनकी टीम के पास होता है। वाहनों की चेकिंग के दौरान ट्रैफिक नियमों की उल्लंघना से लेकर ओवरलोड वाहनों तक के चालान किए जाते हैं। वाहन चेक करने और चालान करने की प्रक्रिया नियमित रूप से चलती है। ओवरलोडिंग के चालानों की संख्या ज्यादा है, जिनकी वसूली के लिए अभियान शुरू किया गया है। यातायात नियमों के अनुसार वाहनों पर जुर्माना करते हुए चालान की राशि निर्धारित की जाती है। बड़ी संख्या में ऐसे वाहन मालिक हैं, जो चालान होने के बाद जुर्माना राशि तुरंत जमा करा देते हैं। इससे उनके वाहन इंपाउंड होने से बच जाते हैं। इसके विपरीत ऐसे वाहन मालिकों की संख्या भी कम नहीं है, जो बार-बार चालान होने के बावजूद जुर्माना राशि का भुगतान समय पर नहीं करते। आरटीए सूत्रों के अनुसार हजारों वाहन मालिकों की ओर जुर्माना राशि के रूप में लगभग 10 करोड़ रुपये की राशि बकाया है।

जुर्माना राशि वसूल करना प्राधिकरण के लिए बड़ी चुनौती साबित हो रहा है। अब आरटीए स्टाफ ने ऐसे वाहनों को इंपाउंड करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है, जिन्होंने लंबे समय से चालान राशि का भुगतान नहीं किया है।

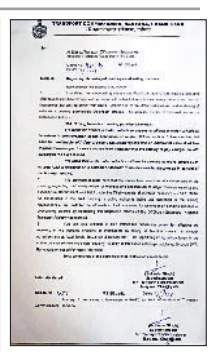

रेवाड़ी। कसोला चौक के पास पार्किंग में इंपाउंड किए गए वाहन, टीसी की ओर से आरटीए सचिवों को जारी किया गया पत्र।

इंपाउंड करते ही भुगत रहे चालान

आरटीए टीमों की नजरें एक से अधिक चालान के बाद जुर्माना राशि का भुगतान नहीं करने वाले वाहनों पर है। जांच के दौरान ऐसे वाहनों को जब्त किया जा रहा है। लंबे समय से पेंडिंग चालान वाले वाहन जब्त होते ही मालिक उनका तुरंत भुगतान करने का प्रयास करते हैं। चालान क्लियर होने के बाद जब्त किए गए वाहनों को छोड़ दिया जाता है।

सख्ती से की जाएगी बकाया वसूली

अधिकांश चालान ओवरलोडिंक के पेंडिंग हैं। इनकी वसूली के लिए वाहनों को इंपाउंड करने की प्रक्रिया शुरू की हुई है। वाहन मालिक ऑनलाइन भी पैसा जमा करा रहे हैं। पेंडिंग चालानों को जल्द क्लियर कराने की दिशा में कार्रवाई की जा रही है।
-सुरेश कुमार, सचिव, आरटीए।

ऑनलाइन भुगतान में भी आई तेजी

टीसी के आदेशों के बाद आरटीए सचिव कार्यालयों की ओर से वाहनों को जब्त करने की प्रक्रिया शुरू करते हुए ऑनलाइन चालान भुगतान करने का सिलसिला भी तेज हो गया है। टीसी की ओर से 9 जनवरी को पत्र जारी किए गए थे, जिसके बाद अभी तक 10 लाख रुपये से ज्यादा की रिकवरी हो चुकी है। जो वाहन मालिक भुगतान नहीं कर रहे हैं, उनके वाहन जब्त किए जा रहे हैं।

वसूली के लिए दिए आदेश

आरटीए सूत्रों के अनुसार हाल ही में स्टेट ट्रांसपोर्ट कमिश्नर की ओर से जिला आरटीए सचिवों को पत्र प्रेषित किए थे, जिनमें बकाया चालानों की जुर्माना राशि वसूली के लिए सख्त रुख अपनाने के आदेश दिए गए हैं। इस पत्र के बाद आरटीए स्टाफ ने अधिक राशि वाले वाहनों को इंपाउंड करने की प्रक्रिया तेज कर दी है। हर दिन ऐसे चार से पांच वाहन इंपाउंड किए जा रहे हैं, जिन पर हजारों रुपये की राशि बकाया है।

एप डाउनलोड करते ही महिला का खाता खाली, 3.57 लाख उड़ाए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

बैंक डिटेल हासिल करने के लिए मोबाइल फोन पर ऐप डाउनलोड करना एक महिला को उस समय महंगा पड़ गया, जब साइबर ठगों ने उसके बैंक खाते से 3.57 लाख रुपये उड़ा दिए। शिकायत मिलने के बाद साइबर थाना पुलिस ने जांच शुरू की तो पता चला कि यह राशि वेस्ट बंगाल के एक खाताधारक के खाते में ट्रांसफर हुई है। पुलिस शिकायत में कुतुबपुर मोहल्ला निवासी अनिता भार्गव ने बताया कि वह अपने खाते की जानकारी लेने पंजाब नेशनल बैंक की शाखा में गई थीं। बैंककर्मी ने उसे बताया कि उनकी ऑनलाइन लेनदेन अधिक हैं, इसलिए उन्हें अपने फोन में पीएनबी वन एप डाउनलोड करना चाहिए। अनिता ने उम्र का हवाला देते हुए ऐसा करने से मना किया और घर लौट आईं। कुछ दिन बाद जब वह दोबारा बैंक गईं, तो बैंक कर्मी ने फिर एप डाउनलोड करने को कहा। अनिता ने अपना फोन बैंक कर्मी को देते हुए कहा कि वह स्वयं एप डाउनलोड कर दें, लेकिन कर्मी ने ऐसा करने से इनकार कर दिया। इसके बाद वह घर लौट आईं। कुछ दिन बाद उनके व्हाट्स एप पर एक लिंक आया, जिसे उसने गत 2 जनवरी को इंस्टाल कर लिया। 6 जनवरी की शाम अनिता को एक फोन आया। कॉल करने वाले ने खुद को बैंक कर्मी बताया और एप एक्टिव करने के नाम पर उनकी व्यक्तिगत जानकारी मांगी।

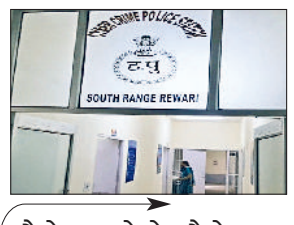

पैसे कटने के मैसेज आने पर चला पता

7 जनवरी की शाम करीब 7 बजे अनिता के फोन पर लगातार मैसेज आने लगे। जब उन्होंने अपनी भतीजी प्रेरणा को फोन दिखाया, तो उसने बताया कि खाते से पैसे कट रहे हैं। तुरंत 1930 पर कॉल कर शिकायत दर्ज कराई और खाता बंद करवाया। बाद में पता चला कि पैसे वेस्ट बंगाल के एक खाता धारक के खाते में ट्रांसफर हुए हैं। ऑनलाइन शिकायत दर्ज होने के बाद साइबर थाना पुलिस ने जांच शुरू कर दी।

मंदिर में चोरी के तीन आरोपी गिरफ्तार कोर्ट में पेश करने के बाद रिमांड पर

चोरी की वारदात सीसीटीवी कैमरे में दर्ज हो गई थी। पुलिस ने फुटेज हासिल करने के बाद आरोपियों का पता लगाने के प्रयास शुरू कर दिए थे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

पुलिस ने गत 5 जनवरी की रात रायपुर के बाबा बड़देव मंदिर में सेंध लगाकर लगभग 3 लाख रुपये के चांदी के छत्र व हजारों रुपये नकदी चोरी करने के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। तीनों राजस्थान के रहने वाले हैं। उन्हें कोर्ट में पेश करने के बाद रिमांड पर लिया गया है। गांव के इस मंदिर में पं. सत्यनारायण पुजारी हैं, जो रात के समय मंदिर में बने कमरे में ही रहते हैं। गत 6 जनवरी की सुबह गांव का एक व्यक्ति मंदिर में माथा टेकने के लिए गया तो एक कमरे की खिड़की टूटी हुई थी। उसने आवाज लगाकर पुजारी को जगाया। पुजारी ने मंदिर में देखा तो सारा सामान अस्त-व्यस्त पड़ा हुआ था। चोर मंदिर से लगभग 3 लाख रुपये के चांदी के 6 छत्र, दानपात्र से लगभग 60 हजार रुपये और मूर्ति के सामने रखी नकदी चोरी कर ले गए। पुजारी ने गांव के सरपंच और पुलिस को इसकी सूचना दी। सूचना मिलने के बाद एक ओर जहां पुलिस मौके पर पहुंची, तो दूसरी ओर बड़ी संख्या में ग्रामीण एकत्रित हो गए। मंदिर में सीसीटीवी कैमरे लगे हुए हैं, पुलिस ने फुटेज के सहारे चोरों की पहचान कराने के प्रयास शुरू कर दिए। बाद में पुलिस ने पुजारी सत्यनारायण की शिकायत पर चोरी का केस दर्ज कर लिया। चोरी की वारदात सीसीटीवी कैमरे में दर्ज हो गई थी। पुलिस ने फुटेज हासिल करने के बाद आरोपियों का पता लगाने के प्रयास शुरू कर दिए थे।

रेवाड़ी। चोरी के आरोपी पुलिस टीम के साथ। फोटो : हरिभूमि

इन आरोपियों को किया काबू

पुलिस ने जांच के बाद राजस्थान के खेड़ा तिगांवा निवासी मोहित, राजस्थान के बासनी निवासी सचिन और खेड़ा ठाकरान निवासी महाबीर को चोरी के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। चोरी किया हुआ सामान बरामद करने के लिए पुलिस ने तीनों आरोपियों को सोमवार को कोर्ट में पेश करते हुए रिमांड पर लिया है। डीएसपी सुरेंद्र श्योराण ने बताया कि आरोपियों से पूछताछ करते हुए सामान की रिकवरी के प्रयास किए जा रहे हैं।

सीहा में गो-उत्थान सांस्कृतिक उत्सव आज

रेवाड़ी। सीहा स्थित बाबा रामस्वरूप दास आश्रम की दादूपंथी गोशाला में 13 जनवरी को गोउत्थान सांस्कृतिक उत्सव का आयोजन किया जाएगा, जिनमें जाने-माने लोकगायक महाशय विकास पहासौरिया मुख्य गायक के रूप में शिरकत करेंगे। संयोजक दीपदास महाराज ने बताया कि हुड़िया धाम के महंत महामंडलेश्वर रामेश्वर दास महाराज के मुख्य आतिथ्य में होने वाले इस उत्सव की अध्यक्षता बाबा रामस्वरूप दास आश्रम,सीहा के महंत स्वामी नरोत्तम दास महाराज करेंगे। इस अवसर पर क्षेत्र के जाने-माने संत-महात्मा, संस्कृतिकर्मी, सामाजिक कार्यकर्ता तथा रागनीप्रेमी भाग लेकर गोशाला को मान-सम्मान और दान देंगे।

ग्राहक पंचायत ने मनाया समर्पण दिवस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत जिला की ओर से स्वामी विवेकानंद की जयंती पर समर्पण दिवस ब्रास मार्केट के ग्राहक मार्गदर्शन केंद्र पर मनाया गया। डा. आरबी यादव की अध्यक्षता में दीप प्रज्वलित कर संगठन के कार्यकर्ताओं ने अपना अच्छा समर्पण दिखाया। कार्यक्रम के शुभ अवसर पर जिला अध्यक्ष विपिन ढिंगरा, जिला संगठन मंत्री कृष्ण कुमार, जिला सचिव धीरज शर्मा, जिला कोषाध्यक्ष अरुण गुप्ता, जगमोहन, दिनेश सैनी, बिहारी लाल, अनिल और अन्य सभी कार्यकर्ताओं ने समर्पित भाव से कार्यक्रम में भाग लिया।

राजनीति इंसाफ मंच के सदस्य व वरिष्ठ भाजपा नेता का पलटवार, राव की राजनीति पर सवाल उठाने वालों का सीमित जनाधार

राव इंद्रजीत सिंह बेदाग छवि के दमदार नेता, सवाल उठाने से पहले सौ बार सोचें विरोधी : अनिल रायपुर

नीति आयोग की कमान संभालने के बाद गुरुग्राम से लेकर नारनौल तक कई बड़ी परियोजनाओं को सिरे चढ़वाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह की राजनीति को लेकर गुरूग्राम से लेकर नांगल चौधरी तक माहौल गर्माया हुआ है। उनके दो विरोधियों की ओर से की जा रही बयानबाजी का जवाब देने के लिए राव के खास समर्थक भी मैदान में कूदने लगे हैं। इंसाफ मंच के आजीवन सदस्य व वरिष्ठ भाजपा नेता अनिल रायपुर ने सोमवार को राव के खिलाफ बयानबाजी करने वाले नेताओं को आड़े हाथों लेते हुए अपने गिरेबान में झांकने की नसीहत दे डाली। बावल हलके के दो दर्जन से अधिक गांवों के जनप्रतिनिधियों के साथ सोमवार को अनिल रायपुर ने पत्रकारों से बातचीत की। उन्होंने कहा कि राव इंद्रजीत सिंह दक्षिणी हरियाणा व प्रदेश के ऐसे बड़े जनाधार वाले नेता हैं, जिनके दामन पर चार दशक से ज्यादा समय की राजनीति में कोई दाग नहीं लगा। अहीरवाल के इस कद्दावर नेता का पूरा फोकस हमेशा इलाके के विकास पर रहा है। माजरा एम्स से लेकर जैसलमेर नेशनल हाइवे, सैनिक स्कूल व केंद्र सरकार के कई प्रोजेक्ट दक्षिणी हरियाणा में लाने के पीछे राव की ही बड़ी भूमिका रही है। उन्होंने नीति आयोग की कमान संभालने के बाद गुरूग्राम से लेकर नारनौल तक कई बड़ी परियोजनाओं को सिरे चढ़वाया। उन्होंने कहा कि दक्षिणी हरियाणा में पानी के मुद्दे को भी राव इंद्रजीत सिंह ने ही प्रमुखता से उठाया था, जिसके बाद प्रदेश सरकार ने इस एरिया में नहरी पानी की मात्रा बढ़ाई। उन्होंने कहा कि राव के जो राजनीतिक विरोधी उनकी राजनीति पर सवाल उठा रहे हैं, उनका खुद का जनाधार सीमित है। इन नेताओं को बयानबाजी से पहले अपने गिरेबान में झांककर जरूर देखना चाहिए कि राव के मुकाबले उनकी राजनीतिक हैसियत आखिर क्या है।

रेवाड़ी। पंचायत प्रतिनिधियों के साथ व पत्रकारों से बातचीत करते हुए अनिल रायपुर। फोटो : हरिभूमि

जनसमर्थन राव इंद्रजीत सिंह के साथ

पंचायत प्रतिनिधियों ने इस मौके पर चेतावनी दी कि एक बेदाग छवि के नेता पर सवाल उठाने वाले सीमित जनाधार वाले नेताओं ने अपनी जुबान पर लगाम नहीं लगाया, तो इलाके के लोग ऐसे नेताओं को करारा जवाब देने के लिए तैयार हैं। राव के पास व्यापक जनसमर्थन हैं, जो ऐसे नेताओं को जवाब देने के लिए मोर्चा खोलने को तैयार है। इस मौके पर बावल ब्लॉक समिति चेयरमैन छत्रपाल टिंकू व कई गांवों के सरपंच मौजूद थे।

हादसे में मौत के बाद वाहन चालक पर केस दर्ज

कोसली। गुड़ियानी गांव के एक व्यक्ति ने अज्ञात वाहन चालक पर उसके पिता को टक्कर मारकर घायल करने के आरोप में मामला दर्ज कराया है। मनीष कुमार ने कहा है कि उनके पिता सात जनवरी को शादीपुर रोड पर सुबह की सैर को गए थे। उन्हें गुड़ियानी सब्जी मंडी के एक व्यक्ति ने से सूचना दी कि उनके पिता का एक्सीडेंट हो गया है। सूचना के बाद वह मौके पर पहुंचे तथा प्राईवेट साधन का प्रबंध कर अपने पिता को सरकारी अस्पताल रेवाड़ी ले गए। वहां डाक्टरों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें पीजीआई रोहतक के लिए रैफर कर दिया। उसके बाद पहले वह उन्हें एक निजी अस्पताल ले गए तथा अगले दिन रोहतक पीजीआई में ले जाकर भर्ती कराया। जो इस समय उपचाराधीन हैं। सूचना के बाद कोसली पुलिस पहले रेवाड़ी तथा बाद में रोहतक पीजीआई पहुंची तथा मनीष की शिकायत पर अज्ञात वाहन चालक के विरुद्ध विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया है।

हरिभूमि
रोहतक, मंगलवार
13 जनवरी 2026

सहेली

मकर संक्रांति पर्व असल में प्रकृति के बदलाव का उत्सव है। इन दिनों स्त्रियों का उल्लास-उमंग देखते ही बनता है। मकर संक्रांति से ही घर-परिवार में विवाह या दूसरे शुभ कार्य आरंभ हो जाते हैं। यह पर्व हमारे खान-पान और दिनचर्या में भी बदलाव लेकर आता है। गुड़, तिल से बने स्वादिष्ट व्यंजन और आकाश में उड़ती-लहराती पतंगें, हमारे मन और जीवन को नव ऊर्जा से भर देती हैं।

मकर संक्रांति
नव ऊर्जा और अपनेपन का उत्सव

आवरण कथा
डॉ. मोनिका शर्मा

घर-परिवार में त्योहारों के उत्सवीय रंगों की डोर स्त्रियां ही थामती हैं। महिलाएं पारंपरिक अनुष्ठानों और रीति-रिवाजों की धुरी कही जाती हैं। बहू-बेटियां उत्सवों के परंपरागत और आध्यात्मिक महत्व को मन से समझती हैं। त्योहारों पर घर-आंगन की सज-धज से जुड़ी रचनात्मकता हो या मेल-जोल की सामूहिकता, महिलाएं बहुत सहजता से जीवन के हर पहलू को संभाल लेती हैं। पूरे माहौल को ऊर्जा और सकारात्मकता से भर देती हैं।

प्रकृति का उत्सव और स्त्रीमन

उमंगों और पतंगों का पर्व संक्रांति, असल में प्रकृति के बदलाव का भी उत्सव है। स्त्रियों का मन वैचारिक और व्यावहारिक दोनों मोर्चों पर कुदरत के करीब होता है। असल में संक्रांति का पर्व अकेला ऐसा हिंदू त्योहार है, जो चंद्र पंचांग के हिसाब से नहीं बल्कि सौर पंचांग के हिसाब से मनाया जाता है। प्राकृतिक घटनाओं के आधार पर देखें तो संक्रांति का अर्थ ही परिवर्तन या गति है। उत्तरायण का शुभ काल, शुरू होने के चलते साल भर में आने वाली 12 संक्रांतियों में मकर संक्रांति सबसे अहम होती है। उत्तरायण का समय देवी-देवताओं के पूजन का समय माना जाता है। यही वजह है कि इस पर्व के बाद कई त्योहार आते हैं। शुभ मुहूर्त और शुभ कार्य आरंभ होते हैं। ठिठुरती ठंड और घने कोहरे के बाद आने वाले देशभर के इस प्यारे त्योहार पर स्त्रियों का उल्लास भी देखते ही बनता है। घर-परिवार में विवाह हो या कोई दूसरा शुभ कार्य, महिलाओं को सबसे अधिक चाव होता है। साथ ही यह त्योहार हमारे रहन-सहन, खान-पान और दिनचर्या में बदलाव लेकर आता है। बदलते मौसम की इस रुत में भी महिलाओं के मन और जीवन में भी नई ऊष्मा का संचार होता है।

जुड़ाव और एकता का उत्सव

परिवार हो या देश-परिवेश, सामाजिक सद्भाव और एकता की डोर से स्त्रियां सबके दिलों को जोड़ती हैं। सांस्कृतिक परंपराओं से जुड़े मान-मनुहार के भाव महिलाओं ने ही सहेज रखे हैं। मित्रों-रिश्तेदारों का मेलजोल मकर संक्रांति के त्योहार का अहम हिस्सा होता है। मान्यता है कि इस दिन सूर्य देव अपने पुत्र शनि के घर उनसे मिलने जाते हैं। असल में मकर राशि को शनि देव का घर माना जाता है। संक्रांति का त्योहार, सूर्य के मकर राशि में प्रवेश का ही उत्सव है। आध्यात्मिक रूप से भी यह मान्यता रिश्तों को मजबूती देने और मेलजोल बनाए रखने का ही संदेश लिए है। यूं भी सूर्य अपना प्रकाश, ऊर्जा और रोशनी की सौगात पूरे संसार को बिना किसी भेदभाव के बांटता है। साथ ही सूर्य का उत्तर दिशा में होना भी आध्यात्मिक रूप से काफी महत्व रखता है। ऐसे में उत्तरायण का उत्सव एकता की सोच को भी सींचता है। सहज जीवन में इसे महिलाएं ही खाद-पानी देती हैं। मकर संक्रांति के पर्व पर स्नान और दान का भी बहुत महत्व है। इस दिन तिल, गुड़, खिचड़ी, फल या आर्थिक मदद देने की रीत है। महिलाएं किसी की सहायता करने वाली रीत निभाने में आगे रहती हैं। इस त्योहार पर जरूरतमंदों को अनाज, कपड़े या दूसरी चीजें दान करने की सोच स्त्रीमन में मौजूद सामाजिक जिम्मेदारी की भावना से ही मिलवाती है।

पतंगों के संग उमंगों का उत्सव

बच्चे हों या बड़े, मकर संक्रांति का त्योहार सभी के लिए रंग-बिरंगी पतंगों का एक उत्सव होता है। हमारे देश के कई राज्यों की पतंगबाजी तो दुनिया भर में चर्चित है। वैसे यह त्योहार हर क्षेत्र में अलग रंग, अलग ढंग से मनाया जाता है। इस दिन आंध्र प्रदेश, केरल और कर्नाटक में संक्रांति और तमिलनाडु में पोंगल का त्योहार मनाया जाता है। पंजाब और हरियाणा में इस समय नई फसल घर लाने का उत्सव लोहड़ी के रूप में मनाते हैं। वहीं असम में इस दिन बिहू पर्व का उल्लास छाया रहता है। बिहू उत्सव में नृत्य करतीं स्त्रियां हों या लोहड़ी पर गिद्धा नृत्य का उल्लास बिखेरती महिलाएं। पतंगबाजी के पेच लड़ाती बेटियां हों या पोंगल के पारंपरिक अनुष्ठान में घर के द्वार पर सुंदर कोलम रंगोली सजाने वाली महिलाएं। हर रूप में यह पर्व महिलाओं के मन की उमंगों की झांकी-सा होता है। पोंगल पर्व पर तो थाई पोंगल यानी सूर्य पूजा और मट्टु पोंगल यानी पशु पूजा के समय महिलाएं ही पूजा अनुष्ठानों की नेतृत्व करती हैं। साथ ही पूरे परिवार की सुख-समृद्धि के लिए प्रार्थना करती हैं। वहीं उत्तर भारत की पतंग उड़ाने की परंपरा भी मनोरंजन भर नहीं है। डोर से बंधी आसमान में उड़ती पतंग, आपसी रिश्तों को भी जोड़ती है। मेल-मिलाप का यह रंग आंगन की बजाय छतों-चौबारों की साझी बैठकी में खिलता है। समरसता के इस भाव को भी स्त्रियां ही बल देती हैं।

सामाजिक-पारिवारिक संबंधों को पोसती लोहड़ी

लोहड़ी का पर्व भी प्रकृति का आभार जताने का ही उत्सव है। हमारे कृषि प्रधान देश में लोहड़ी का त्योहार फसलें कटकर घर आने की खुशी में मनाया जाता है। साथ ही यह पर्व सामाजिक-पारिवारिक संबंधों को भी पोसता है। विशेषकर पंजाब और हरियाणा में धूमधाम से मनाए जाने वाले इस पर्व को तिलोड़ी भी कहते हैं। शादी के बाद की पहली लोहड़ी बहुत खास होती है। पारंपरिक रूप से बेटे के जन्म के बाद पहली लोहड़ी बहुत धूमधाम से मनाई जाती थी। बेटे के जन्म के बाद घर में ढोल-नगाड़ों से उसका स्वागत किया जाता था और पहली लोहड़ी पर

गांव भर में उसके आगमन की मिठाई बांटी जाती थी। सुखद है कि लाडलियों के प्रति परिवार-समाज में आई सहज स्वीकार्यता की सोच से घर-परिवार में एक बड़ा बदलाव दिखने लगा है। अब बिटिया की पहली लोहड़ी भी खूब हर्षोल्लास के साथ मनाई जाती है। शादी के बाद भी बेटी की पहली लोहड़ी पर मायके वाले त्योहारी भिजवाते हैं। यह स्नेह भरा शगुन उन्हें अपने आंगन से जोड़े रखने की सोच लिए है। मूंगफली और रेवड़ी का प्रसाद और लोकगीतों का साथ इस पर्व को बहुत खास बना देता है।

खुश रहना भी एक आर्ट है

हर कोई चाहता है, वह खुश रहे। लेकिन खुश रहने का कोई बना-बनाया फॉर्मूला नहीं होता है। यह एक आर्ट ऑफ लाइफस्टाइल है। आप अपनी डेली रूटीन लाइफ में कुछ छोटे बदलाव करके भी खुश रह सकती हैं। यहां दी गई बातें अमल में लाएं और हमेशा खुश रहें।

जीवनशैली
अलका जैन

रविवार की सुबह आभा पार्क में टहल रही थी, तभी सामने से उसे राधा आती दिखी। हमेशा की तरह वह मुस्कुराते हुए मिली, बातें कीं। लेकिन उसकी आंखों में कहीं न कहीं एक मायूसी थी। आभा ने पूछा, 'सब ठीक है न?' राधा ने ठंडे स्वर में 'हां' तो कहा लेकिन उसकी मुस्कान बनावटी सी लगी। हम में से कई लोग अकसर अपनी थकान, उदासी या तनाव को मुस्कुराहट के पीछे छुपा लेते हैं, सिर्फ इसलिए कि दुनिया हमें खुश देखे। वास्तव में खुश रहना एक आर्ट है। इसके लिए आपको यहां बताई जा रही कुछ बातों का ध्यान रखना होगा।

इन लक्षणों को पहचानें: मन से नाखुशी, हमेशा शब्दों में प्रकट नहीं होती, संकेतों के रूप में भी सामने आती है। इन्हें पहचानना जरूरी है। हर समय थकान महसूस होना। पहले पसंद आने वाले कामों में रुचि कम हो जाना। नींद या भूख में बदलाव। मित्रों और जानने वालों से दूरी बना लेना। इन संकेतों को नजरअंदाज करना आसान है, लेकिन यही वह पल है, जब आपको रुककर खुद से पूछना चाहिए- 'मैं सच में कैसा महसूस कर रही हूं?' अगर उत्तर पॉजिटिव न मिले तो लाइफस्टाल में बदलाव करें।

सही नहीं तुलना करना: हर बात में दूसरों से तुलना, धीरे-धीरे आत्मसम्मान को चोट पहुंचाती है। किसी की करियर की सफलता, किसी का खूबसूरत घर या सोशल स्टेटस देखकर इंफीरियर महसूस करने से आप बेवजह अपने को खुशी से दूर कर लेती हैं। सच यह है कि किसी की भी जिंदगी परफेक्ट नहीं होती। इसलिए दूसरों से तुलना करने से बचें।

मानसिक स्वास्थ्य पर असर: हालांकि मानसिक स्वास्थ्य को लेकर लोगों में जागरूकता बढ़ी है। लेकिन खुले तौर पर अपनी परेशानियों को साझा करने में अब भी झिझक महसूस होती है। तनाव, चिंता, अकेलापन और अवसाद जैसे मनोभाव, किसी को भी प्रभावित कर सकते हैं, चाहे वह बाहरी रूप से कितनी भी खुश क्यों न दिखे। जब तक आप मेंटली हेल्दी नहीं होंगी, खुश नहीं रह सकती हैं।

खुद के साथ समय बिताएं: खुश रहना मन की एक अवस्था है। इस पाने की शुरुआत खुद को समय देने से होती है। इसके लिए सबसे पहले सुबह उठकर कुछ मिनट ध्यान या गहरी सांसें लें। हफ्ते में एक दिन सिर्फ अपने पसंदीदा काम के लिए रखें। नित्य प्रकृति के साथ समय बिताएं।

सोशल मीडिया पॉजिटिव हैबिट्स: सोशल मीडिया से पूरी तरह दूरी बनाना जरूरी नहीं, बल्कि इसे अपने लिए पॉजिटिव बनाने की आदत कारगर है। ऐसे पेज और अकाउंट फॉलो करें, जो प्रेरणा और सुकून देते हों, ऐसे लोगों को रोल मॉडल बनाएं, जिनकी कथनी और करनी में अंतर ना हो। सबसे जरूरी है कि सोशल मीडिया को यूज करने का समय सीमित करें।

थोड़ा रिलैक्स होना भी है जरूरी: मुस्कान सिर्फ होंठों पर नहीं, मन में भी होनी चाहिए। अगर आज आपको लगता है कि आप थक गई हैं, तो इसे स्वीकार करें और कुछ देर रिलैक्स जरूर करें। याद रखें, रुकना, सांस लेना और फिर से शुरू करना बिल्कुल ठीक है। इसलिए थकान महसूस होने पर रिलैक्स होना भी जरूरी है। इससे मन को ताजगी अहसास होता है।

बात करना और सुनना

कभी-कभी हमें लगता है कि हमारे पास कहने के लिए सही शब्द नहीं हैं या लोग हमें समझेंगे नहीं। लेकिन सच यह है कि सही लोगों से बातचीत आधी परेशानी हल कर देती है। दोस्त, परिवार या कोई भरोसेमंद सहकर्मी। किसी से भी अपनी बात कह देना, मन को हल्का कर सकता है। उतना ही जरूरी है, दूसरों को सुनना क्योंकि हो सकता है उनकी बातों में भी वही कहानी छुपी हो, जिससे आप खुद गुजर रही हों।

सलाह
प्रतिभा अग्निहोत्री

आजकल हाथ के बुने स्वेटर का चलन कुछ कम हो गया है लेकिन स्वेटर बुनने के शौकीन अपने हाथों को रोक ही नहीं पाते। साथ ही फैशन कोई भी हो कुछ लोगों को बाजार के रेडीमेड स्वेटर की अपेक्षा हाथ के बुने स्वेटर ही पसंद आते हैं। छोटे बच्चों को तो आज भी माताएं हाथ के बने स्वेटर ही पहनाना पसंद करतीं हैं, क्योंकि रेडीमेड स्वेटर्स की अपेक्षा हाथ के बुने स्वेटर्स ज्यादा गरमाते हैं। यदि आप भी बुनाई की शौकीन हैं तो यहां बताई जा रही बातें ध्यान में जरूर रखें, जो स्वेटर बुनते समय आपके लिए बहुत उपयोगी और फायदेमंद होंगी-

आज भी काफी लोग रेडीमेड स्वेटर के बजाय हाथ के बुने स्वेटर पसंद करते हैं। हाथ से बने स्वेटर बनाते समय कुछ बातों का ध्यान जरूर रखें। इन बातों को अमल में लाएंगी तो आपकी बुनाई कुछ अलग ही रंग जमाएगी।

सर्दियों में बुनाई करते समय रखें इन बातों का ध्यान

- ऊन खरीदने से पहले किसके लिए क्या बनाना है,यह सुनिश्चित कर लें, क्योंकि बच्चों के लिए गहरे रंग, बड़ों के लिए हल्के और लड़के-लड़कियों के रंग भी अलग-अलग होते हैं।
- छोटे बच्चों के लिए फर वाली या फैशनेबल ऊन खरीदने की अपेक्षा अच्छे ब्रांड का बेबी वूल ही खरीदें, क्योंकि यह एकदम नरम और बिना रोएं वाली होती हैं।
- ऊन हमेशा आवश्यकता से कुछ अधिक ही खरीदें, क्योंकि कम पड़ने पर अकसर उसी शेड की ऊन मिलना मुश्किल हो जाता है।
- मोटी प्लाई के लिए कम नंबर की और पतली प्लाई वाली ऊन के लिए अधिक नंबर की सलाई को यूज करें।

- गले, बाहों और कमर के बॉर्डर के लिए दो नंबर अधिक की सलाई लें अर्थात यदि बॉर्डर 10 नंबर से बना रही हैं तो पूरा स्वेटर 8 नंबर से बनाएं, इससे स्वेटर देखने में तो अच्छा लगेगा ही बॉर्डर लूज भी नहीं होगा।
- बुनाई करते समय बुनने वाली सलाई को पूरा खत्म करके ही उठें अन्यथा फंदे निकलकर आपके स्वेटर डिजाइन को ही खराब कर सकते हैं।
- फंदे सदैव कड़े हाथ से और दोहरी ऊन से ही डालें, क्योंकि ढीले हाथ से डाले गए फंदे बाद में और ढीले हो जाएंगे और स्वेटर का आकार ही बिगड़ जाएगा।
- बुनाई करते समय ऊन के गोलों को एक पॉलीथिन बैग में रखें, जब बुनाई बंद करें तो इसी में बुने स्वेटर को सलाई सहित रखें, इससे आपका आधा बुना स्वेटर गंदा नहीं होगा।
- छोटे बच्चों के स्वेटर पर ऊपर किसी भी प्रकार के मोती, नग, सितारे, कुंदन आदि न लगाएं, क्योंकि वे इन्हें मुंह में डाल सकते हैं। उनके स्वेटर पर कढ़ाई इत्यादि करने के लिए धागे या ऊन का ही प्रयोग करें।
- स्वेटर बनाने के बाद उल्टी तरफ निकले धागों और गांठों को कैंची से थोड़ा-सा काटकर क्रोशिया या सलाई की सहायता से ऊन के धागों में छिपा दें।

- जहां तक संभव हो छोटे बच्चों के स्वेटर एक से अधिक रंग के और अधिक डिजाइन वाले न बनाएं ताकि ऐसे स्वेटरों या मोजों को पहनते समय उनके हाथ-पैर आदि इनके धागों में न उलझें।
- दो रंग का स्वेटर बनाते समय एक रंग की अपेक्षा 10-12 फंदे अधिक डालें, क्योंकि दो रंग के धागे आपस में उलझकर खिंचते हैं।

हेयर
शहनाज हुसैन, कॉस्मेटोलॉजिस्ट

अप्लाई करें हेयर परफ्यूम बालों से आएगी भीनी-भीनी खुशबू

हेयर परफ्यूम, बालों को सुगंधित करने के साथ फ्रेश लुक देने में भी मदद करते हैं। हेयर परफ्यूम रूखे, फ्रिजी और बेजान बालों पर असरदार साबित होता है। लेकिन इसे अप्लाई करने से पहले इसके बारे में जानना भी जरूरी है।

हेयर परफ्यूम की खासियतें: हेयर परफ्यूम का कोई साइड इफेक्ट नहीं होता है। इसकी खुशबू आम परफ्यूम से हल्की होती है, इसका ज्यादा इस्तेमाल करना मुश्किल नहीं होता है। जिस तरह आप बॉडी परफ्यूम का इस्तेमाल करती हैं, ठीक उसी तरह बालों को खुशबूदार बनाने के लिए हेयर परफ्यूम का भी इस्तेमाल कर सकती हैं। ये बालों को अपनी खुशबू से महकाता और साथ-साथ बालों को मॉयश्चराइज भी करता है, जिससे बाल हेल्दी और तरोताजा नजर आते हैं। इनसे बाल और भी आकर्षक नजर आते हैं। हेयर परफ्यूम, बालों को सुंदर दिखाने के साथ ही लग्जरी टच जोड़ता है और आपको ताजगी महसूस करवाता है। कुछ लोग बॉडी परफ्यूम को ही बालों पर छिड़क लेते हैं, लेकिन उसमें अल्कोहल होता है, जो बालों को और ज्यादा रूखा और बेजान बना देता है। जबकि हेयर परफ्यूम में अल्कोहल की मात्रा बहुत कम होती है, इसलिए यह आपके बालों के लिए ज्यादा सुरक्षित है। यह आमतौर पर वाटर बेस्ड होता है, इसलिए यह आपके बालों को भारी नहीं बनाता है और न ही उन्हें रूखा या चिपचिपा बनाता है। हालांकि बाजार में ब्रांडेड हेयर स्प्रे भी मिलते हैं लेकिन आप चाहें तो घर पर हर्बल हेयर स्प्रे बना सकती हैं।

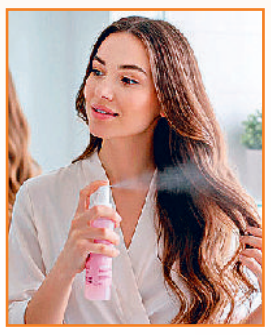

रोज एसेंस हेयर परफ्यूम: गुलाब की खुशबू का हेयर परफ्यूम बनाने के लिए 2 चम्मच गुलाब का तेल, 1 चम्मच जोजोबा ऑयल और 5 चम्मच गुलाब जल को एक स्प्रे बॉटल में डाल कर मिक्स करें। आपका होममेड गुलाब की खुशबू वाला हेयर परफ्यूम तैयार है। शादी समारोह या पार्टी में जाने से पहले इस हेयर परफ्यूम को बालों पर लगाएं।

गुलाब जल और विच हेजल: कांच के एक बर्तन में आधा चम्मच गुलाब जल और एक चम्मच विच हेजल (स्किन केयर में यूज किया जाने वाला एक पौधा) को अच्छी तरह मिला लें। अब इस मिश्रण में पांच बूंदें गुलाब के तेल की मिलाकर मिश्रण को स्प्रे बॉटल में डाल लें। यह हेयर परफ्यूम स्प्रे तैयार है।

हेयर परफ्यूम ऐसे लगाएं: सबसे पहले बॉटल को अपने बालों से लगभग छह से आठ इंच की दूरी पर रखें। इसके बाद, हल्का स्प्रे करें। ध्यान रहे कि यह बालों के बीचों-बीच और सिरों पर ज्यादा केंद्रित हो। जड़ों की बजाय बालों के बीच की लंबाई और सिरे पर ध्यान दें, ताकि परफ्यूम का समान वितरण हो सके। यह तरीका खुशबू को समान रूप से फैलाने में मदद करता है।

हेल्थ सजेशन
डॉ. अश्वनी कानेटकर
होम्योपैथ कंसल्टेंट

कम तापमान, ठंडी हवाएं और प्रदूषण की वजह से कुछ लोग एलर्जी की समस्याओं से ग्रस्त हो जाते हैं। अगर ध्यान नहीं देंगी तो यह समस्या बढ़ भी सकती है। ऐसा आपके साथ ना हो, इसके लिए बचाव के उपाय अपनाना जरूरी है।

सर्दी के मौसम में हो सकती है एलर्जी

बदलते मौसम में ही नहीं बहुत अधिक ठंड के दिनों में भी तरह-तरह की एलर्जी की समस्याएं हो सकती हैं। धूप ज्यादा न होने से हवा में नमी और रूखापन बढ़ने लगता है। ऐसे मौसम में कई बैक्टीरिया और फफूंदी पैदा होने लगते हैं, जो हमारी त्वचा, आंखों और सांस की नलियों में प्रवेश करके उन पर सीधा असर डालते हैं। परिणामस्वरूप कई तरह की एलर्जी के मामले सामने आने लगते हैं।

एलर्जी के मुख्य कारण: इन दिनों धूप की कमी की वजह से हवा में नमी बढ़ी हुई है। इसके अलावा कई शहरों, महानगरों में प्रदूषण का स्तर भी काफी बढ़ा हुआ है। कोहरा और प्रदूषण मिलकर शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को प्रभावित करते हैं। इस दौरान कई तरह के बैक्टीरिया, धूल के कण और प्रदूषक पदार्थ की वजह से एलर्जी की समस्या पैदा होती है।

इन लक्षणों का रखें ध्यान: एलर्जी के लक्षण सामान्य तौर पर सर्दी-जुकाम जैसे लग सकते हैं। लेकिन अगर ये लंबे समय तक बने रहें तो डॉक्टर से परामर्श करना जरूरी हो जाता है। किसी भी तरह की एलर्जी का सही ट्रीटमेंट न करने से शारीरिक समस्या और गंभीर हो सकती है। इसलिए यहां बताए जा रहे लक्षणों पर नजर रखें और डॉक्टर से कंसल्ट करने में देर ना करें।

लगातार छींक आना: हवा में मौजूद नमी, नाक और श्वास नलियों को प्रभावित करती है, जिससे कई लोगों को या तो लगातार छींके आने लगती हैं या फ्लू जैसे लक्षण दिखाई देने लगते हैं। बुखार भी आ सकता है। कुछ लोगों को ऐसे लक्षण केवल सुबह या शाम के समय दिखते हैं, जबकि दिन में तापमान बढ़ने पर ये लक्षण अपने आप रुक जाते हैं।

आंखों में जलन: इस मौसम में हवा में रूखापन बहुत बढ़ जाता है, जिससे कुछ लोगों में आंखों का लाल होना या आंखों में जलन और पानी निकलने जैसी समस्याएं दिखने लगती हैं।

त्वचा पर रैशेज या ईचिंग: कई बार इंड के मौसम में हवा में मौजूद फंगस त्वचा की समस्याओं को बढ़ा देते हैं, जिससे रैशेज और इचिंग की समस्या बढ़ती है। रूखी हवाओं की वजह से समस्या बढ़ती है।

प्रस्तुति: बुशरा फातिमा

अपनाएं बचाव के उपाय

सर्दी के मौसम में होने वाली एलर्जी की समस्याओं से बचाव के लिए आप यहां बताए जा रहे उपाय आजमा सकती हैं।

- जब भी धूप निकले कुछ देर रोजाना धूप में जरूर बैठें। इससे कई तरह की एलर्जी से आपका बचाव होगा।
- पहनने वाले कपड़े और बिस्तर नम न हों इसका ध्यान रखें। जब भी धूप निकले इसे जरूर सुखाएं।
- अगर एलर्जी या इंफेक्शन की वजह से नाक और गले में दर्द हो रहा हो तो भाप लेना फायदेमंद होता है।
- अपनी इम्यूनिटी को बढ़ाने के लिए घर का बना काढ़ा जिसमें हल्दी, गिलोय, नीबू, तुलसी आदि शामिल हो, उसका नियमित सेवन करें। इससे आप कई तरह की एलर्जी से बची रहेंगी।
- विटामिन-सी युक्त फलों जैसे संतरा, नीबू, अमरूद आदि का अधिक सेवन करें।
- होम्योपैथी में कुछ दवाएं एलर्जी से बचाती हैं। आप इनका सेवन डॉक्टर के कंसल्टेशन से कर सकती हैं।

खबर संक्षेप

सफाई कर्मियों की काम छोड़ हड़ताल जारी

नारनौल। नगर परिषद के सफाई कर्मचारियों ने समान काम समान वेतन की बकाया एरियर की मांग को लेकर 7वें दिन भी काम छोड़ हड़ताल जारी रखी, लेकिन नगर प्रशासन व कर्मचारियों को लेकर कोई बातचीत नहीं हुई। इस 7वें दिन धरने व आंदोलन की अध्यक्षता करते हुए जिला प्रधान राहुल सारवान ने बताया कि जब तक हमारा वर्ष 2017 से 2023 तक का समान काम समान वेतन का बकाया एरियर कर्मचारियों के खाते में आएगा, तब तक हड़ताल खोली जाएगी अन्यथा जिला महेंद्रगढ़ में काम छोड़ हड़ताल जारी रहेगी। समस्त सफाई कर्मचारी हड़ताल पर हैं।

सातवें दिन भी जारी रही हड़ताल

मंडी अटेली। अटेली नगर पालिका के सफाई कर्मचारियों ने लंबित मांगों को लेकर पिछले सात दिनों से हड़ताल पर बैठे हुए हैं। पुरानी नगर पालिका कार्यालय परिसर के बाहर धरने पर बैठेकर अपना विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। वहीं सफाई कर्मचारियों की हड़ताल सात दिन से रहने से सफाई व्यवस्था चरमरा गई है। मकर संक्रांति से पहले शहर में जगह-जगह कूड़े के ढेर लगे हैं। अब शहर कूड़ा कचरा जमा हो गया है। इसको लेकर दुकानदारों और आम लोगों में रोष है। गंदगी का ढ़ेर दुकान के सामने होने से दुकान पर काम करना पूरा दिन मुश्किल होता है।

नपा सफाई कर्मचारियों की हड़ताल जारी

नांगल चौधरी। नपा प्रांगण में सफाई कर्मचारियों की छठे दिन भी काम छोड़ हड़ताल जारी रही। यूनियन के उप प्रधान विनोद कुमार की अगुवाई में कर्मियों ने जमकर सरकार विरोधी नारेबाजी की तथा प्रदेश व्यापी आंदोलन का अल्टीमेटम दिया। ग्रामीण सफाई कर्मचारियों ने भी हड़ताल को समर्थन देते हुए रोष प्रदर्शन में शामिल होने का फैसला लिया है। कमल सिंह, सुनिल कुमार, कृष्ण कुमार, राकेश कुमार, कुलदीप, संदीप कुमार, साहिल, किशनलाल ने बताया कि सरकार ने गांव व वार्ड स्तर पर स्वच्छता अभियान चलाया है।

व्यापार में वृद्धि, अन्न की अच्छी पैदावार, सुख-शांति व धार्मिक प्रवृत्तियों में वृद्धि के बनेंगे योग

14 जनवरी को मकर संक्रांति, दान पुण्य करना रहेगा विशेष फलदाई

इस वर्ष की मकर संक्रांति को मंदाकिनी नाम दिया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हिंदू धर्म में मकर संक्रांति का विशेष महत्व बताया गया है। 14 जनवरी को मकर संक्रांति का पर्व मनाया जाएगा। इस दिन सर्वार्थ सिद्धि योग, अमृत सिद्धि योग और अनुराधा नक्षत्र भी रहेगा। इन सभी शुभ योगों के कारण इस दिन किए गए स्नान, दान और व्रत का पुण्य सामान्य दिनों की तुलना में दोगुना माना गया है।

ज्योतिषाचार्य पंडित राहुल भारद्वाज गढ़ी ने बताया कि ज्योतिष में 12 संक्रांतियां होती है। जब सूर्य राशि परिवर्तन करता है तो उसे सक्रांति बोला जाता है और जब सूर्य देव धनु राशि से निकलकर अपने पुत्र की राशि मकर में प्रवेश करते है उस दिन मकर संक्रांति मनाई जाती है। 14 जनवरी को सूर्य देव दोपहर 3:07 बजे मकर में प्रवेश करेंगे। शाम 5:49 बजे तक पुण्यकाल रहेगा।

इस वर्ष की मकर संक्रांति को मंदाकिनी नाम दिया गया है। इस दिन सूर्य देव पीत वस्त्र धारण कर बाघ पर सवार होंगे, जबकि उनका उपवाहन घोड़ा रहेगा। उनकी दृष्टि ईशान दिशा की ओर होगी और वे पश्चिम दिशा में गमन करेंगे। सूर्य देव का अस्त्र गदा बताया गया है और वे भोग की अवस्था में होंगे। इससे व्यापार में वृद्धि, अन्न की अच्छी पैदावार, सुख-शांति और धार्मिक प्रवृत्तियों में वृद्धि के योग बनेंगे।

सूर्य कमजोर अवस्था में है, ये करें उपाय

भारद्वाज गढ़ी ने बताया कि जिनकी कुंडली में सूर्य का बल कम है या अशुभ है वो मकर संक्रांति के दिन सुबह स्नान के बाद एक तांबे के लोटे में शुद्ध जल से भर उसमें रोली, चावल, चीनी लाल पुष्प डालकर सूर्यदेव को ऊँ घृणी सूर्याय नमः मंत्र का उच्चारण करते हुए अर्घ्य दें।

सूर्य होंगे उत्तरायण

भारद्वाज गढ़ी ने बताया कि सूर्य छह महीने दक्षिणायन और छह महीने सूर्य उत्तरायण रहते है। मकर संक्रांति वाले दिन सूर्य देव छह महीनों के लिए उत्तरायण हो जाते हैं। उत्तरायण को देवताओं का दिन भी कहा जाता है। उत्तरायण की अवधि देवताओं का दिन तथा दक्षिणायन की अवधि रात्रि है। वैदिक काल में उत्तरायण को देवयान तथा दक्षिणायन को पितृयान कहा जाता है। मकर संक्रान्ति के दिन यज्ञ में दिए गए द्रव्य को ग्रहण करने के लिए देवता पृथ्वी पर अवतरित होते हैं। इसलिए धर्मशास्त्रों के अनुसार इस दिन पुण्य, दान, जप तथा धार्मिक अनुष्ठानों का अत्यंत महत्व बताया है।

नदियों के स्नान और दान का विशेष महत्व

मकर संक्रांति वाले दिन पवित्र नदियों के जल करना चाहिए। इस दिन गुड़, तिल, कम्बल गर्म वस्त्रों का दान करना चाहिए। क्योंकि तिल का संबंध शनिदेव से है और इसका दान शनिदोष को कम करता है। इस दिन सूर्यदेव शनि की राशि मकर में एक माह के लिए प्रवेश करते हैं, जिससे शनि का अशुभ प्रभाव कम हो जाता है। काले तिल का दान न केवल शनिदोष से मुक्ति दिलाता है, बल्कि सूर्यदेव की कृपा भी प्राप्त होती है। मान्यता ये भी है की इस दिन किए हुए दान का अनन्त गुणा फल मिलता है।

मलमास हटने के बाद भी नहीं होंगे शुभ कार्य

जब भी खरमास खत्म होता है, उस दिन से शुभ कार्यों की शुरूआत हो जाती है, परंतु अबकी बार ऐसा नहीं होगा, क्योंकि शुक्र अस्त चल रहे है। जिनका किसी भी कार्यों में उदय होना बहुत जरूरी है। चार फरवरी को शुक्र उदय होंगे उसके बाद ही फिर से मांगलिक कार्य का प्रारंभ होगा।

पुलिस व नपा की उदासीनता के चलते नहीं हो पा रहा समस्या का समाधान

पार्किंग होने के बावजूद भी सड़क पर खड़ा कर देते हैं वाहन, परेशानी

- लगातार जाम की समस्या से जूझना पड़ रहा है शहरवासियों को
- पुलिस व नगर पालिका की उदासीनता के चलते नहीं हो पा रहा समस्या का समाधान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

नगर पालिका की ओर शहर में तीन अस्थाई पार्किंग सुविधा होने के बावजूद भी वाहन मुख्य बाजारों और प्रमुख सड़कों के किनारे खड़े रहते हैं। इसके कारण जाम की स्थिति बनी रहती है। इस स्थिति के कारण शहरवासियों को लगातार जाम की समस्या से जूझना पड़ रहा है, लेकिन पुलिस व नगर पालिका की उदासीनता के चलते समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा है। टीम ने गोशाला रोड से पड़ताल की शुरुआत की। इस दौरान यहां पर सड़क के दोनों तरफ 15 दो पहिया वाहन व 10 चारपहिया वाहन खड़े मिले। इसके बाद मसानी चौक से बालाजी चौक तक 300 मीटर की दूरी पर सड़क के दोनों तरफ 80 दुपहिया वाहन व 25 चार पहिया वाहन खड़े मिले।

इसी तरह बालाजी चौक से शंकर मार्केट के 200 मीटर सड़क मार्ग पर एक तरफ 60 दुपहिया वाहन व 15 चारपहिया वाहन खड़े मिले जबकि दूसरी तरफ 30 दुपहिया वाहन खड़े मिले। शॉपिंग कांप्लेक्स में 50 से अधिक दो पहिया वाहन खड़े मिले। इसके साथ ही विश्वकर्मा चौक से डॉ. भीमराव आंबेडकर चौक तक 150 मीटर सड़क मार्ग पर 40 से अधिक चारपहिया वाहन पाए गए। सड़क के दोनों ओर खड़े दुपहिया और चारपहिया वाहन यातायात को बाधित कर रहे हैं।

महेन्द्रगढ़। आंबेडकर चौक पर खड़ी गाड़ियां। फोटो : हरिभूमि

कराई जाएगी मुनादी

शहर की सड़क किनारे खड़े वाहनों को पार्किंग खड़ा करने के लिए नगर पालिका की ओर से मुनादी करवाई जाएगी। इसके अलावा पुलिस प्रशासन का सहयोग लेकर चालान करवाया जाएगा। आमजन को भी वाहन सड़क के किनारे खड़ा करने के लिए जागरूक किया जाएगा।

-रमेश सैनी, प्रधान, नपा महेंद्रगढ़

पड़ रहा आमजन पर सीधा असर

इसका सीधा असर आम नागरिकों, व्यापारियों, स्कूली वाहनों पर पड़ रहा है। नगर पालिका की ओर से अतिक्रमण हटाने के लिए सख्ती दिखाई है। दुकानों के बाहर लगे टीन शेड, ठेले और अस्थायी कब्जों को हटाने के लिए अभियान चलाया गया, लेकिन वाहनों के कारण पैदा हो रही समस्या पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। हालात ये हैं कि पुलिस के कुछ वाहनों चालान किए जाते हैं। इससे यातायात की स्थिति में कोई खास सुधार नहीं हो रहा है। नगर पालिका ने शहर के अलग-अलग हिस्सों में तीन अस्थाई पार्किंग स्थल बनाए गए है। इसके बावजूद वाहन चालक वाहनों को सड़कों के किनारे खड़े कर रहे हैं।

यह बोले शहरवासी

शहरवासी दिनेश चंद्र, राजेंद्र, दीपक, राजेश, सोहन, विक्की ने बताया कि नगर पालिका की ओर से पार्किंग बनाई हुई है, लेकिन आमजन अपने वाहनों को सड़क पर खड़ा कर रहे है। इसके कारण जाम के हालात बन जाता है। इसके कारण लोगो को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अपने वाहनों को दुकानों के सामने खड़ा कर गायब हो जाते है और उसके बाद एक-दो घंटे बाद आते है। इससे राहगीरों व वाहन चालकों को निकलने के लिए जगह नहीं मिलती और दुर्घटना का अंदेशा रहता है। नगर पालिका को अतिक्रमण हटाने के साथ वाहनों की तरफ भी ध्यान देना चाहिए। नपा की ओर मुनादी करवाकर वाहनों को पार्किंग के अंदर खड़ा करने के आदेश जारी किए, ताकि अन्य चालकों को राहत मिले। सिनेमा रोड पर अपने वाहन रोड कि किनारे खड़ा करके बैंकों में चले जाते है। दो घंटे बाद आते हैं। यातायात पुलिस की ओर से इन वाहनों को पार्किंग खड़ा करवाना चाहिए ताकि जाम की स्थिति न बन सके।

खेल ही जीवन की असली पाठशाला: एसडीएम

महेंद्रगढ़। ग्रामीणों को संबोधित करती एसडीएम कनिका गोयल। फोटो : हरिभूमि

- एसडीएम कनिका गोयल ने पाली गांव में आयोजित क्रिकेट टूर्नामेंट के समापन अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

खिलाड़ियों में ऊर्जा, अनुशासन और टीम भावना होना ही उनकी खेल भावना को दर्शाता है। यह बात एसडीएम कनिका गोयल ने सोमवार को पाली गांव में आयोजित क्रिकेट टूर्नामेंट के समापन अवसर में बतौर मुख्य अतिथि बोलते समय कही। एसडीएम कनिका गोयल ने कहा कि कोई भी खेल सिर्फ एक खेल नहीं होता, यह जीवन की पाठशाला है।

यह हमें सिखाता है कि कैसे जीत का जश्न मनाना है और हार को सहजता से स्वीकार करना है। मैं युवाओं से कहना चाहूंगी कि अपनी इस अपार ऊर्जा और प्रतिभा को खेल और रचनात्मक कार्यों में लगाएं। नशे जैसी बुरी आदतों से दूर रहें और स्वस्थ, सशक्त भारत का निर्माण करें।

याद रखें, आप ही हमारे देश का भविष्य हैं और आपके हाथ में ही देश को आगे ले जाने की शक्ति है। एसडीएम ने कहा कि खेल हमें शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत बनाते हैं, टीमवर्क सिखाते हैं और हमें जीवन के हर क्षेत्र के लिए तैयार करते हैं। यह सिर्फ ट्रॉफी जीतने की बात नहीं, बल्कि एक बेहतर इंसान बनने और अपने लक्ष्य की ओर बढ़ने का हौसला है। इस अवसर पर गांव के गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों पर शिकंजा

एक सप्ताह में 1318 वाहनों के किए गए चालान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

ट्रेफिक नियमों की पालना नहीं करने वाले वाहन चालकों पर पुलिस ने शिकंजा कसा हुआ है। एक सप्ताह की अवधि में पुलिस ने ऐसे 1318 वाहनों के चालान किए हैं, जिन्हें सड़कों पर नियमों की कोई परवाह नहीं होती। एडीजीपी ट्रैफिक एंड हाइवे हरदीप सिंह दून के आदेशों को अमलीजामा पहनाने के लिए एसपी के निर्देश पर जिला पुलिस की ओर से 5 से 11 जनवरी तक विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया था, जिसके तहत इन वाहनों के खिलाफ चालान की कार्रवाई की गई। एसपी हेमेन्द्र कुमार मीणा ने बताया कि जिला पुलिस ने इस सप्ताह के दौरान ड्रिंक एंड ड्राइव अभियान के तहत शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए 39 वाहन चालकों के चालान किए है। अक्सर देखने में आता है कि रात्रि के समय काफी वाहन चालक नशे में धुत होकर वाहन चलाते हैं जिससे वह अपने आप को तो खतरे में डालते ही हैं साथ में सड़क पर चल रहे अन्य वाहन चालक के लिए भी खतरा बन जाते है। शराब पीकर गाड़ी चलाना सड़क दुर्घटनाओं की बड़ी वजह बनता है और यह मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा 185 के तहत दंडनीय अपराध है।

रेवाड़ी। वाहन चालकों की जांच करते हुए पुलिसकर्मी। फोटो : हरिभूमि

नियमों की उल्लंघना नहीं की जाएगी बर्दाश्त

एसपी ने कहा बताया कि रेवाड़ी पुलिस आमजन को विश्वास दिलाती है कि शहर में कानून-व्यवस्था और सुरक्षा के साथ कोई समझौता नहीं किया जाएगा। जो भी व्यक्ति नियमों का उल्लंघन करेगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ ही उन्होंने नागरिकों से अपील है कि गाड़ियों में ब्लैक फिल्म का प्रयोग न करें। नशे की हालत में वाहन चलाकर अपनी और दूसरों की जान जोखिम में न डालें। बुलेट मोटरसाइकिल पर पटाखा छोड़ने व ध्वनि प्रदूषण करने से बचें। रेवाड़ी पुलिस सुरक्षित, अनुशासित और शांतिपूर्ण वातावरण बनाए रखने के लिए निरंतर कार्यरत है।

महेंद्रगढ़। लाल बहादुर शास्त्री के चित्र पर पुष्पार्पित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

यादव धर्मशाला में लाल बहादुर शास्त्री को किया याद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

यादव धर्मशाला में लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनके याद किया। संस्था कन्वीनर डॉ. राजबीर यादव ने लाल बहादुर शास्त्री के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि लाल बहादुर शास्त्री 2 अक्टूबर 1904-11 जनवरी 1966 भारत के दूसरे प्रधानमंत्री थे, जिन्होंने 1964 से 1966 तक लगभग 18 महीने देश का नेतृत्व किया। वह अपनी सादगी, दृढ़ संकल्प और जय जवान जय किसान के नारे के लिए जाने जाते हैं, जिन्होंने 1965 के भारत-पाक युद्ध में देश का नेतृत्व किया और ताशकंद में एक समझौते के बाद रहस्यमय परिस्थितियों में उनका निधन हो गया। उन्हें मरणोपरांत भारतरत्न से सम्मानित किया गया। इस पूर्व प्रधान अभयराम, रामस्वरूप बोहरा, संजय राव रिवासा, जगदीश प्रसाद, लालचंद, संतोष कुमार, नाथाराम नम्बरदार व रामसिंह मौजूद रहे।

सेवा भारती शाखा की बैठक में सेवा कार्यों पर हुआ मंथन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

सेवा भारती शाखा की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन श्री सीताराम मंदिर महावीर मार्ग स्थित प्रांगण में किया गया। बैठक संरक्षक जयप्रकाश सर्राफ एवं प्रधान अशोक सिंघल की संयुक्त अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। जिसमें सेवा भारती की ओर से संचालित मोहल्ला कोलियान स्थित सिलाई प्रशिक्षण केंद्र की प्रगति की समीक्षा करते हुए विस्तार से विचार विमर्श किया गया। उपस्थित सदस्यों ने भविष्य में किसी अन्य सेवा बस्ती में भी सिलाई प्रशिक्षण केंद्र प्रारंभ करने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया। जिससे जरूरतमंद महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया जा सके।

बैठक को संबोधित करते हुए सचिव डॉ. शिवकुमार ने फरवरी माह में आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय छात्रावास परीक्षा में अधिक से अधिक सेवा बस्तियों के विद्यार्थियों को भाग लेने हेतु प्रेरित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इससे बच्चों के शैक्षणिक विकास को नई दिशा मिलेगी। जिला कार्यकारिणी सदस्य अश्विनी कटारिया ने प्रत्येक सेवा बस्ती में सामाजिक व धार्मिक गतिविधियों को सशक्त करने के उद्देश्य से मासिक सुंदरकांड पाठ आयोजित करने का सुझाव रखा, जिसे सभी सदस्यों ने सराहा। सेवा भारती के वरिष्ठ सदस्य अशोक सैनी व स्वास्थ्य आयाम प्रमुख डॉ. दीपक शेरावत ने सेवा बस्तियों में नियमित स्वास्थ्य शिविर लगाने, स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने पर बल दिया।

नारनौल। बैठक करते शाखा पदाधिकारी व सदस्य। फोटो : हरिभूमि

साफ-सफाई

अबकी बार नहर 20 जनवरी से जिले में आने की उम्मीद

पानी के तेजी से बहाव के लिए नहरों की छंटाई करवा रहा विभाग

सिलारपुर, श्यामपुरा एवं खेड़ी माइनर के अलावा दताल गांव की नहर में भी करवाई जा रही गाद की छंटाई

- नहर आने से पहले सिंचाई एवं नहर विभाग ने गांवों को चिह्नित किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

किसानों को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से नहर विभाग इनकी गाद छंटवाने में लगा है। अबकी बार नहर 20 जनवरी से जिले में आने की उम्मीद है और उससे पहले ही नहरों की सफाई करवाई जा रही है। जिन नहरों की सफाई करवाई जा रही है, उनमें अटेली क्षेत्र के गांव सिलारपुर, श्यामपुरा एवं खेड़ी माइनर शामिल हैं, जबकि नांगल चौधरी क्षेत्र के गांव दताल में नवलपुर डिस्ट्रीब्यूटरी से जुड़ी नहर की सफाई करवाई जा रही है।

नारनौल। नहर में सफाई करते मजदूर। फोटो : हरिभूमि

जानकारी के अनुसार इन गांवों की नहरों में कुछ गाद बनी हुई थी, जबकि ये नहरें सीमेंट वाली पक्की बनाई जा चुकी हैं। पक्की नहरें होने के बावजूद गाद के कारण इनमें पानी का बहाव तेजी नहीं पकड़ पाता था और अंतिम टेल तक समय पर नहरी पानी पहुंचाने में परेशानी आड़े आ रही थी।

इस कारण अंतिम टेल तक समय पर पर्याप्त पानी नहीं पहुंच पाने से किसान भी नाराज थे और खेत खाली रहने से उनमें निराशा के भाव भी उभर रहे थे। इसी कारण अबकी बार नहर आने से पहले सिंचाई एवं नहर विभाग ने गांवों को चिह्नित किया तथा नहरों की सफाई करवाने का निर्णय लिया।

यह बोले एसडीओ

एसडीओ राजेश वर्मा ने बताया कि पहले नहरें ईंटों से बनी हुई थी और जब पानी चलता था, तब पहले ईंट एवं मिट्टी पानी सौख लेती थी, जिससे नुकसान होता था। इस कारण नहरों को सीमेंट वाली पक्की बनाई गई, जिस कारण पानी तेजी से चलने लगा है। अब सीमेंट वाली पक्की नहरों में कुछ गाद बन गई थी, जिससे भी कुछ दिक्कत उत्पन्न हुई। इसी कारण अब उस गाद को भी छंटवाया जा रहा है, ताकि नहरी पानी तेजी से चल सके और अंतिम टेल तक समय पर पहुंच सके।

चोरी की बढ़ती घटनाओं से किसान चिंतित

कनीना। एक तरफ प्रदेश एवं केंद्र सरकार किसानों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा प्रयास कर रही है। वहीं दूसरी ओर अज्ञात चोर किसानों के कृषि चोरी करने में जुटे हुए हैं। एक ही स्थान से कई बार चोरी होने से किसान चिंतित हैं। बीते दिनों उच्चत गांव के करीब आधा दर्जनभर किसानों के खेतों से करीब 25 एल्युमीनियम पाइप चोरी हुए थे। अब कनीना के वार्ड 3 निवासी किसान महिपाल के खेत से अज्ञात चोर एल्युमीनियम की टी, बैंड आदि चोरी कर ले गए। महिपाल ने पुलिस थाने में दी शिकायत में बताया कि करीरा नहर के समीप खेत में उसने गेहूं की बिजाई की हुई है। आठ जनवरी को वह फसल सिंचाई के लिए फव्वारा लाइन लगाकर आया था। अगले दिन सुबह 10 बजे जाकर देखा तो पाइप लाइन से टी, बैंड व गिलासी गायब मिले। दूसरी ओर गुढ़ा बस स्टैंड से अज्ञात चोर बाइक चोरी कर ले गए।

सूचना

मैं, अरूण कुमार वर्मा पुत्र श्री गिरधारी लाल वर्मा निवासी झाडौदा (5-एन) नाहड, जिला रेवाड़ी हरियाणा बयान करता हूं कि मेरी पुत्री कीर्ति वर्मा मेरे कहने-सुनने से बाहर हैं। इसलिये मैं इसको अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं। इससे लेन-देन, व्यवहार करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

ग्राम पंचायत बटोड़ी

खण्ड डहीना, जिला रेवाड़ी, Mob. No.: 9991650150

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया पंचायत बटोड़ी के तालाबों को मत्स्य पालन हेतु पट्टे पर छोड़ा जाना है। जिसकी दिनांक 22.01.2026 को प्रातः 10 बजे हरिजन चौपाल में खुली बोली का आयोजन किया जाएगा। ऐच्छिक बोलीदाता समय पर पहुंच कर लाभ उठायें। नियम व शर्तें बोली से पूर्व मौके पर बता दी जाएंगी।

हस्ता/- सरपंच,
ग्राम पंचायत बटोड़ी, जिला रेवाड़ी

रबी फसलों को भारी नुकसान होने की आशंका, आज से कुछ हद तक राहत मिलने की उम्मीद

ठंड ने तोड़ा दस साल का रिकॉर्ड, पारा जमाव बिंदू से 1.5 डिग्री नीचे, फसलों पर जमने लगी बर्फ

तेज धूप के बावजूद बर्फीली हवाएं छुड़ा रही कंपकंपी, सरकार से किसानों को पाले से नुकसान के मुआवजे के प्रति आश्वस्त करने की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

ठंड ने लगभग दस साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। लगभग एक दशक बाद रात का पारा शून्य से 1.5 डिग्री सेल्सियस नीचे चला गया, जिससे रबी फसलों को भारी नुकसान का अंदेशा बन गया है। नुकसान का पता लगभग एक सप्ताह बाद लगेगा। तेज धूप खिलने के बावजूद बर्फीली हवाएं कंपकंपी छुड़ा रही हैं। 13 जनवरी से कड़ाके की ठंड से कुछ हद तक राहत मिलने की संभवना जताई जा रही है। किसान नेता का. रामकुमार ने सरकार से किसानों को पाले से नुकसान के मुआवजे के प्रति आश्वत करने की मांग की है, ताकि उनका हौसला बना रहे। वर्ष 2014 के बाद न्यूनतम तापमान -1.5 डिग्री सेल्सियस पर आ गया। इससे एक दिन पूर्व यह -0.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। अधिकतम तापमान 3.0 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि के साथ 20.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हवा की रफ्तार लगभग 6 किमी प्रति घंटा रही, जबकि नमी का स्तर 72 प्रतिशत दर्ज किया गया। बीते साल के मुकाबले में तापमान काफी कम बना हुआ है। गत वर्ष 12 जनवरी को अधिकतम तापमान 14.5 डिग्री और न्यूनतम 6.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। सोमवार को सुबह के समय आसमान पूरी तरह साफ रहा। कोहरे का कोई खास असर देखने को नहीं मिला। तेज धूप निकलने के बावजूद बर्फीली हवाएं कड़ाके की ठंड का अहसास कराती रहीं। हवा की गति मंद पड़ने के कारण मंगलवार को रात के तापमान में वृद्धि होने की संभावना है, जिससे भारी ठंड का असर कुछ हद तक कम हो सकता है। कड़ाके की ठंड ने लोगों को घरों में दुबके रहने के लिए मजबूर किया हुआ है। आवश्यक कार्य से ही लोग घरों से बाहर निकल रहे हैं। मौसम विभाग के अनुसार अभी कुछ दिनों तक सूखी ठंड का सामना करना पड़ सकता है।

रेवाड़ी। सोमवार सुबह सरसों की फसल और खेतों में जमे पाले की तस्वीरें।

बर्फ की चादर में लिपटी रबी फसलें

सोमवार सुबह रबी की प्रमुख फसलों सरसों और गेहूं के साथ-साथ सब्जियों की फसलों पर भी बर्फ की परत देखने को मिली। पाला जमने से गेहूं की फसल को अभी नुकसान की आशंका नहीं है, परंतु सरसों की अगेती फसल बुरी तरह प्रभावित हो सकती है। अगेती फसल में सरसों का दाना बनना शुरू हो गया है, जो पाला जमने के बाद खराब हो जाएगा। सरसों में नुकसान का सही पता लगभग एक सप्ताह चलना शुरू होगा। सब्जियों और फूलों की खेती भी पाला जमने के कारण बुरी तरह प्रभावित होगी।

इंद्रदेव नहीं हो रहे इस बार मेहरबान

गत वर्ष जनवरी माह में दो-तीन बार हल्की बरसात और बूंदाबांदी हुई थी। इससे जमीन का तापमान बढ़ने से पाला जमने की आशंका काफी कम हो गई थी। इस बार बीते दिसंबर माह से लेकर अभी तक आसमान में बादल तो छाते रहे हैं, परंतु बूंदाबांदी गत सप्ताह ही हुई थी। बारिश नहीं होने के कारण किसानों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सीमित समय तक बिजली मिलने के कारण किसानों के लिए दोनों फसलों की एक साथ सिंचाई करना मुश्किल बना हुआ है। अभी जल्द बरसात की कोई संभावना नहीं है।

बिजली की खपत बढ़ने की संभावना

दिन के समय तीन दिन से तेज धूप खिलने के कारण बिजली की खपत इस बार ज्यादा नहीं बढ़ी है। बीते रविवार को जिले में बिजली की खपत 68.85 लाख यूनिट रही। बीते साल जनवरी माह में यह 95 लाख यूनिट का आंकड़ा पार कर गई थी। एचवीपीएन के एक्सईएन संजय यादव ने बताया कि अभी दिन के समय ठंड का असर कम रहने के कारण इस बार बिजली की खपत गत वर्ष की तुलना में कम बनी हुई है। अभी कोई पावर कट भी नहीं लगाए जा रहे हैं। आने वाले दिनों में ठंड और बढ़ती है, तो इससे बिजली की खपत भी बढ़ेगी।

कच्ची फलियों में नुकसान की आशंका

दो दिन से पाला जम रहा है, जिस कारण सरसों की कच्ची फलियों में नुकसान का अंदेशा बना हुआ है। अगेती सरसों में पाला जमने से ज्यादा नुकसान हो सकता है, लेकिन उसका पता कुछ दिनों के बाद लग पाएगा। किसानों को पाले से फसल बचाव के लिए नियमित रूप से फसलों की हल्की सिंचाई करनी चाहिए।
-डा. धर्मबीर यादव, निदेशक, कृषि अनुसंधान केंद्र, बावल।

खबर संक्षेप

बावल। वाहन चालकों को जागरूक करते हुए टीम।

कोहरे में सावधानी बरतें वाहन चालक, किया जागरूक

बावल। कोहरे में वाहन चालकों को सावधानी बरतने की सलाह देने के लिए सोमवार को ट्रैफिक पुलिस, आरटीए स्टाफ और आरएसओ की टीम ने बस स्टैंड और बनीपुर चौक पर जागरूकता अभियान चलाया। इस मौके पर टीम के सदस्यों ने वाहन चालकों को बताया कि कोहरे के दौरान वाहनों को पूरी सावधानी से चलाएं। गलत लेन में वाहन नहीं चलाएं। वाहनों को निर्धारित से अधिक गति से नहीं चलाएं। रात के समय डीपर व फॉग लाइटों का इस्तेमाल करें। कभी भी विपरीत दिशा में वाहन नहीं चलाएं, इससे सड़क हादसों की आशंका बढ़ जाती है। टीम के सदस्यों ने कहा कि वाहन चालक कोहरे और रात के समय सड़कों के किनारे वाहन खड़े करने से बचें। इससे दूसरे वाहनों के टकराकर हादसों की आशंका बढ़ जाती है। इस मौके आरटीए कार्यालय के टीएसआई संदीप कुमार, ट्रैफिक पुलिस के एएसआई महेंद्र, ईएसआई रणधीर व आरएसओ एकता आदि मौजूद थे।

पुण्यतिथि पर गोशाला सेवादारों को बांटे कंबल

रेवाड़ी। गांव कदू भवानीपुर के समाजसेवी स्व. बिशम्बर दयाल वर्मा की 14वीं पुण्यतिथि पर गांव मामड़िया आसमपुर स्थित गोशाला में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें बीडी वर्मा के परिजनों ने गोशाला के सेवादारों को कंबल व टोपी वितरित किए और गायों को गुड़ खिलाया। गोशाला प्रधान मास्टर फूलसिंह व सरपंच अशोक कुमार ने आयोजकों का आभार जताया और कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से अन्य लोगों को प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि बीडी वर्मा स्वर्णकार चेतना परिवार पत्रिका के संस्थापक थे और अन्य अनेक पत्रिकाओं में अपनी कलम से समाज व गांव की समस्याओं को उठाते थे। इस मौके पर बीडी वर्मा के परिजन सतीश कुमार, रेखा देवी, रीना सोनी, हिमांश सोनी, विपिन सोनी के साथ-साथ पूर्व सरपंच महावीर सिंह, पृथ्वीराज सोनी, मनोज कुमार, पप्पू यादव आदि उपस्थित थे।

समावेशी शिक्षा विषय पर स्कूल में दिया प्रशिक्षण

रेवाड़ी। ज्ञानदीप इंटरनेशनल स्कूल दुल्हेड़ा खुर्द में सीबीएसई के निर्देशानुसार दो दिवसीय कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम का सफल आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य विषय समावेशी शिक्षा रहा। कार्यक्रम में सीबीएसई की ओर से नामित संसाधन व्यक्ति नरसिंह एवं एस केजिया ने शिक्षकों के साथ समावेशी शिक्षा से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर सार्थक चर्चा की। प्रशिक्षण के दौरान सभी विद्यार्थियों को समान अवसर प्रदान करने, विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को समझने तथा सहयोगात्मक कक्षा वातावरण विकसित करने पर जोर दिया गया। इस कार्यक्रम में विद्यालय के समस्त शिक्षकों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। विद्यालय की प्रधानाचार्या प्रोमिला शर्मा, मृदुला एवं चेयरपर्सन शशि बाला यादव ने सीबीएसई का तथा दोनों संसाधन व्यक्तियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षकों की दक्षता को बढ़ाने में अत्यंत सहायक होते हैं। कार्यक्रम विद्यालय परिवार के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायक सिद्ध हुआ।

गोरक्षा दल की टीम गायों को पिला रही काढ़ा

रेवाड़ी। नाहड़ ब्लाक की गोरक्षा दल टीम ने कड़कती सर्दी के मद्देनजर क्षेत्र की बेसहारा गोमाता व नंदी महाराज को गुड़ का काढ़ा बनाकर खिला रही है। जिससे उन्हें सर्दी में गरमाहट मिल सके और वे सर्दी में बीमार होने से बच सके. गोरक्षा दल की टीम कई वर्षों से सर्दियों में गोवंश के लिए काढा तैयार कर खिला रही है। गोरक्षा दल के मोहित ने बताया कि काढ़े में गुड़, आमिया हल्दी, काली मिर्च, हींग, मेथी जैसे पोष्टिक व औषधीय तत्वों का मिश्रण किया जाता है।यह काढ़ा गोवंश के लिए बहुत लाभदायक है और उनके स्वास्थ को भी ठीक करने का काम करता है। टीम ने कोसली की बाबा मुक्तेश्वरपुरी गोशाला में जाकर गोवंश को काढ़ा खिलाया।

रन फॉर स्वदेशी कार्यक्रम का आयोजन

रेवाड़ी। कृष्ण नगर गांव स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के रीजनल सेंटर में राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई द्वारा सोमवार को स्वामी विवेकानंद की जयंती के अवसर पर रन फार स्वदेशी का आयोजन किया गया। इस आयोजन में छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और स्वदेशी के महत्व को समझा। इस अवसर पर निदेशक डा यशपाल शर्मा ने छात्राओं को स्वामी विवेकानंद के जीवन और विचारों से प्रेरणा लेने और उन्हें स्वदेशी के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया। इस विषय पर डा अनिल कुमार ने बताया कि स्वामी विवेकानंद के विचार भारतीय संस्कृति से ओतप्रोत थे। उनके विचार युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की प्रेरणा के साथ राष्ट्रीय एकता व देशभक्ति से जोड़ते हैं। छात्राओं को उनके विचारों को जीवन में उतारने की जरूरत है। इस अवसर पर डा अनिता देवी, रीनू यादव, अंजलि यादव, डा प्रवेश कुमारी, राकेश कुमार, प्रदीप शर्मा, योगेन्द्र सिंह, सुनिता यादव, पूजा, सोनिया यादव, नीलम, विपुल, सचिन, प्रदीप, अजय पाल, ज्योति यादव, सनिता यादव, मधु बाला, बिंदु यादव, अंजू, सुखबीर, वीरेंद्र, जय भगवान, निर्मला, सुशीला, सविता सहित छात्राएं उपस्थित थीं।

अस्पताल निर्माण की मांग को लेकर धरना जारी

रेवाड़ी। रामगढ़ भगवानपुर की पंचायती जमीन पर नागरिक अस्पताल को शिफ्ट करने की मांग को लेकर चल रहा ग्रामीणों का धरना सोमवार को 210वें दिन भी जारी रहा। कड़ाके की सर्दी व शीत लहर के बीच धरने की अध्यक्षता राव रोशनलाल सिंह ने की। धरने में रामगढ़ भगवानपुर के अलावा आसपास दर्जन भर गांवों के सैकड़ों ग्रामीणों व नागरिकों ने भाग लिया। समिति के संयोजक और संरपच प्रतिनिधि अनिल कुमार ने बताया कि धरना-प्रदर्शन ने सात महीने पुरे कर लिए है और हमारा धरना पूर्ण रूप से लोकतांत्रिक, शांतिपूर्ण व शानदार तरीके से अपने समाजिक हित के लिए आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री से मिलने के लिए भी पत्र भेजकर महिलाओं के प्रतिनिधिमंडल ने समय मांगा है।

पीएमएफएमई, पीएमईजीपी और पीएम विश्वकर्मा योजना पर जागरूकता कार्यक्रम

बावल। खंड विकास एवं पंचायत कार्यालय बावल में महिलाओं के स्वरोजगार एवं सूक्ष्म उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में लगभग 70 स्वयं सहायता समूह की महिलाएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का उद्देश्य पीएमएफएमई, पीएमईजीपी और पीएम विश्वकर्मा योजना सहित विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान करना रहा। कार्यक्रम में जिला एमएसएमई केंद्र रेवाड़ी के औद्योगिक प्रसार अधिकारी करण सिंह द्वारा पीएमएफएमई, पीएमईजीपी और पीएम विश्वकर्मा योजना से संबंधित मुख्य उद्देश्यों, पात्रता, अनुदान/सब्सिडी प्रावधानों, आवेदन प्रक्रिया एवं उद्यम स्थापना के अवसरों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि पीएमएफएमई योजना सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों को तकनीकी उन्नयन, ब्रांडिंग एवं मार्केटिंग सहायता हेतु लाभ प्रदान करती है। पीएमईजीपी योजना ग्रामीण एवं शहरी युवाओं को सूक्ष्म उद्यम स्थापित करने हेतु बैंक ऋण पर सब्सिडी उपलब्ध कराती है। पीएम विश्वकर्मा योजना पारंपरिक कारीगरों एवं शिल्पकारों को प्रशिक्षण, आधुनिक उपकरण सहायता, टूलकिट समर्थन एवं कम ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराती है।

स्वदेशी के संकल्प के साथ मनाया गया स्वामी विवेकानंद का जन्मदिवस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मीरपुर

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय में छात्र कल्याण विभाग की ओर से सोमवार को स्वदेशी अपनाने के संकल्प के साथ स्वामी विवेकानंद का जन्मदिवस मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलसचिव प्रोफेसर दिलबाग सिंह ने की। विश्वविद्यालय में स्वामी विवेकानंद पीठ पर आसीन प्रोफेसर रविंद्र ने सभी का स्वागत किया और स्वामी विवेकानंद को सभी का प्रेरणा स्रोत बताया। अधिष्ठाता छात्र कल्याण विभाग प्रोफेसर करण सिंह ने सभी युवा विद्यार्थियों को सकारात्मक सोच अपनाते हुए कड़ी मेहनत करने के लिए प्रोत्साहित किया। कुलसचिव प्रोफेसर दिलबाग सिंह ने स्वामी जी के जीवन से जुड़े विभिन्न प्रेरणादाई संस्मरणों का उदाहरण दिया। उन्होंने उनके द्वारा शिकागो में दिए गए भाषण के बारे में बताया और महिलाओं के प्रति माता एवं बहन जैसा दृष्टिकोण

और सम्मान से जुड़े प्रसंग को याद किया और युवाओं को उनसे प्रेरणा लेने और अपने मंजिल की तरफ निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। स्वदेशी जागरण मंच से एडवोकेट रामकिशन ने सभी को स्वदेशी अपनाने के प्रति प्रेरित किया और कहा कि स्वामी जी का पूरा जीवन ही एक दर्शन है। विश्वविद्यालय के फामेर्सी विभाग के छात्र साहिल ने युवाओं को स्वामी विवेकानंद केंद्र से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। स्वदेशी जागरण मंच से जुड़ी प्रोफेसर रितु बजाज ने स्वदेशी अपनाओ मुहिम के साथ अपने आप को पंजीकृत करने के लिए प्रेरित किया।

सतीश खोला ने सुनीं पीपीपी से संबंधित आम जनता की समस्याएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

परिवार पहचान प्राधिकरण के स्टेट कोऑर्डिनेटर डॉ. सतीश खोला ने सोमवार अपने कार्यालय में आम जनता की समस्याएं सुनीं। इस दौरान बड़ी संख्या में नागरिक अपनी शिकायतें और सुझाव लेकर पहुंचे। डॉ. खोला ने सभी फरियादियों की बात को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को समस्याओं के शीघ्र समाधान के निर्देश दिए। इस दौरान डॉ. सतीश खोला ने कहा कि परिवार पहचान पत्र जैसी योजनाएं आमजन के जीवन को सरल बनाने के लिए बनाई गई हैं, ताकि सरकारी योजनाओं का लाभ बिना किसी भेदभाव के सही पात्र तक पहुंच सके। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जनता को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए कार्यप्रणाली को और अधिक पारदर्शी व संवेदनशील बनाया जाए। उन्होंने राजनीतिक स्थिति पर टिप्पणी करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी के नेता केवल नौटंकी और दिखावटी राजनीति कर रहे हैं, जबकि भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता जमीनी स्तर पर काम करते हुए जनता के बीच रहते हैं और उनकी समस्याओं का समाधान कराने के लिए निरंतर प्रयासरत रहते हैं। डॉ. खोला ने कहा कि भाजपा की राजनीति सेवा, समर्पण और विकास पर आधारित है, जबकि विपक्ष केवल बयानबाजी और आरोप-प्रत्यारोप में व्यस्त है।

जनता से संवाद बनाए रखें अधिकारी

खोला ने कहा कि सरकार की योजनाओं का सही क्रियान्वयन तभी संभव है जब अधिकारी और कर्मचारी पूरी निष्ठा के साथ कार्य करें और जनता से सीधा संवाद बनाए रखें।

चाइनीज मांझा से पतंग उड़ाने वालों पर रहेगी पुलिस की नजर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

पुलिस अधीक्षक हेमेंद्र कुमार मीणा ने बताया कि मकर सक्रांति पर्व के अवसर पर काफी लोग पतंगबाजी करना काफी पसंद करते है, लेकिन पतंग उड़ाते समय अगर कुछ सावधानियां न बरती जाए तो यह खुद के साथ साथ दूसरे लोगों के लिए भी खतरनाक साबित हो सकता है, क्योंकि कई पतंगबाज पतंग उड़ाने के लिए धारदार चाइनीज मांझे का इस्तेमाल करना पसंद करते है जो कि काफी खतरनाक होता है। उन्होंने बताया कि यह मांझा लोगों के लिए जानलेवा भी साबित होता है तथा क्षण भर में ही यह शरीर अंगों को काट देता है और हर साल ऐसी कई घटनाएं सामने आती है। यही कारण है कि प्रशासन ने चाइनीज मांझे की बिक्री पर प्रतिबंध लगा रखा है। इसलिए पतंग उड़ाने वालों को उड़ान से पहले अपने धागे की जांच परख करनी होगी कि कहीं वे जिस मांझे का इस्तेमाल कर रहे हैं, कहीं वह चाइनीज मांझा तो नहीं है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि चाइनीज मांझा कॉटन फैब्रिक से ना बनाकर कई केमिकल से बनाया जाता है।

सरकार की मधुमक्खी पालकों के लिए बड़ी पहल

रेवाड़ी। हरियाणा सरकार ने मधुमक्खी पालकों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए भावांतर भरपाई योजना के तहत शहद के लिए संरक्षित मूल्य तय किया है। डीसी अभिषेक मीणा ने बताया कि

यह निर्णय हरियाणा सरकार की किसान हितैषी सोच और कृषि से जुड़ी सहायक गतिविधियों को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। डीसी अभिषेक मीणा ने बताया कि भावांतर भरपाई योजना के अंतर्गत शहद का संरक्षित मूल्य 120 रुपए प्रति किलोग्राम निर्धारित किया गया है। इससे मधुमक्खी पालकों को बाजार में कीमतों के उतार-चढ़ाव से राहत मिलेगी और उन्हें अपने उत्पाद का उचित मूल्य सुनिश्चित होगा।

बैग से महिला की चेन चोरी करने की आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

सिटी पुलिस ने गत 8 जनवरी को बाजार में एक महिला के बैग से सोने की चेन चोरी करने के मामले में एक महिला को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से चोरी की गई चेन बरामद हुई है। पुलिस को दर्ज शिकायत में अहमदपुर पड़तल निवासी नेहा ने बताया था कि वह अपनी सोने की चेन ठीक कराने के लिए बाजार आई थी। उसने पीठ पर टांगे हुए बैग में चेन रखी हुई थी। सुनार के पास जाने से पहले वह बाजार में एक दुकान पर कपड़े खरीदने के लिए रुकी थी। वहां से जब वह सुनार की दुकान पर पहुंची तो बैग से चेन गायब मिली। इसके बाद वह कपड़े की दुकान पर पहुंची। वहां सीसीटीवी कैमरे की फुटेज चेक करने पर एक महिला चेन चोरी करते हुए नजर आई। गोकल गेट पुलिस चौकी ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद महिला का पता लगाने के प्रयास शुरू किए थे। चौकी प्रभारी विनोद कुमार ने इस मामले में जांच के बाद धामलाका निवासी निर्मला को गिरफ्तार किया है।

जागरूकता तीन गांवों में पहुंची नशा मुक्ति टीम, ग्रामीणों को नशे के प्रति किया जागरूक

नशा व्यक्ति के शरीर, परिवार व समाज तीनों का सबसे बड़ा शत्रु

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

नशा मुक्त रेवाड़ी अभियान के तहत पुलिस की नश मुक्ति टीम ने सोमवार को दड़ोली, दखोरा व खुशपुरा गांवों में घर-घर जाकर ग्रामीणों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया गया। ग्रामीणों को साइबर अपराधों के प्रति भी सतर्क किया। निरीक्षक रामपाल के नेतृत्व में नशा मुक्ति टीम लगातार गांवों और शिक्षण संस्थाओं में जाकर ग्रामीणा तथा विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक करने में लगी हुई है। टीम से जुड़े सदस्यों ने ग्रामीणों को बताया कि नशा व्यक्ति के शरीर, परिवार और समाज तीनों का सबसे बड़ा शत्रु है। यह न केवल स्वास्थ्य को बर्बाद करता है, बल्कि युवाओं का भविष्य भी अंधकारमय कर देता है। आप सभी विद्यार्थी देश का भविष्य हो। पढ़ाई, खेल और अपने सपनों में ध्यान लगाओ, नशे जैसी बुरी आदतों से हमेशा दूर रहो। अगर गांव या आस-पास कोई भी संदिग्ध गतिविधि दिखे तो तुरंत पुलिस को जानकारी दें।

सावधानी से ही साइबर फ्रॉड से बचाव

नशा मुक्ति टीम ने ग्रामीणों को साइबर अपराध के खतरों से भी अवगत कराया। उन्होंने बताया कि आजकल अपराधी फोन कॉल, सोशल मीडिया या अन्य माध्यमों से व्यक्तिगत जानकारी जैसे ओटीपी, पासवर्ड आदि हासिल करने की कोशिश करते हैं। ऐसे में सभी को सतर्क रहना चाहिए और किसी भी अनजान व्यक्ति से अपनी निजी जानकारी साझा नहीं करनी चाहिए।

रेवाड़ी। ग्रामीणों को नशे के प्रति जागरूक करते हुए नशा मुक्ति टीम। फोटो : हरिभूमि

अपराधियों की सूचना तुरंत देने की अपील

रामपाल ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि यदि कोई भी असामाजिक तत्व, संदिग्ध व्यक्ति या वाहन दिखाई दे या किसी भी आपातकालीन स्थिति में तुरंत डायल 112 पर इसकी सूचना दें। उन्होंने कहा कि यदि आपके संज्ञान में कोई व्यक्ति नशा करता है या नशा बेचता है तो उसकी सूचना तुरंत पुलिस थाना में दें। इसके अलावा नशा गतिविधियों की सूचना हेल्पलाइन नंबर 1933 पर करें। सूचना देने वाले का नाम गुप्त रखा जाएगा।